# भजन

दोहा–प्रेम छुपाये न छुपे,जो घट परगट होय।
जाके मुख बोले नहीं,नैन देत हैं रोय।।

अब न पिया कुछ बोलेंगे,
दिल की दिल को कह लेंगे,कह लेंगे

1– तुमसे नहीं शिकवा कुछ भी–2
जैसे कहो हम रह लेंगे

2– अब कहने को है ही क्या–2
इश्क में खुद को डुबो लेंगे

3– माना कि है ये तेरा लाड पिया–2
लाड समझ कर सह लेंगे